प्रभु – भोज

नई वाचा का संगति भोज

फ्रैंकलीन द्वारा नोट्स

लूका 22:1 "अखमीरी रोटी का पर्व जो फसह कहलाता है, निकट था।

इस्राएल के लिए फसह के पर्व का भोज एक वार्षिक उत्सव था ताकि वे याद रखें कि जब परमेश्वर ने मिस्र से उन्हें छुड़ाया तब उसने किस प्रकार उनके साथ लहू की वाचा बान्धी थी।

पद 15 – **और उस ने उन से कहा; मुझे बड़ी लालसा थी, कि दुख–भोगने से पहिले यह फसह तुम्हारे साथ खाऊं।** (हृदय जागृत करना)
क्यों ? यीशु को अपने शिष्यों के साथ फसह खाने की बड़ी लालसा क्यों थी ?

फसह के भोज में ऐसा क्या था जो यह उसके लिए इतना महत्वपूर्ण था ?

सर्वप्रथम – यीशु जानता था कि वही फसह का मेमना था।

तब अखमीरी रोटी के पर्व का दिन आया, जिस में फसह का मेम्ना बली करना अवश्य था। लूका 22:7

पुराने नियम का फसह का पर्व, परमेश्वर के सच्चे मेमने यीशु मसीह का उदाहरण और एक प्रकार है।

इब्राहीम के द्वारा भविष्यद्वाणी : उत्पत्ति 22 : इब्राहीम ने कहा, "बेटा, होमबली के लिए मेमने का प्रबन्ध परमेश्वर स्वयं ही करेगा।"

यशायाह द्वारा भविष्यद्वाणी : (53:7) वह सताया गया, तौभी वह सहता रहा और अपना मुंह न खोला; जिस प्रकार भेड़ वध होने के समय और भेड़ी ऊन कतरने के समय चुपचाप शान्त रहती है, वैसे ही उस ने भी अपना मुंह न खोला।

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के द्वारा परिचय (यूहन्ना 1:29) " देखो, यह परमेश्वर का मेम्ना है, जो जगत के पाप उठा ले जाता है।"

पतरस द्वारा समझाया गया : 1 पतरस 1:18–19 क्योंकि तुम जानते हो, कि तुम्हारा निकम्मा चाल–चलन जो बापदादों से चला आता है उस से तुम्हारा छुटकारा चान्दी सोने अर्थात् नाशमान वस्तुओं के द्वारा नहीं हुआ।(19) पर निर्दोष और निष्कलंक मेम्ने अर्थात् **मसीह के बहुमूल्य लहू** के द्वारा हुआ।

यूहन्ना के द्वारा उसे **महिमा में देखना** : प्रकाशितवाक्य 5:5–14: देख, यहूदा के गोत्र का वह सिंह, जो दाऊद का मूल है, उस पुस्तक को खोलने और उसकी सातों मुहर तोड़ने के लिये जयवन्त हुआ है। (6) और मैं ने उस सिंहासन और चारों प्राणियों और उन प्राचीनों के बीच में, मानों एक वध किया हुआ मेम्ना खड़ा देखा : उसके सात सींग और सात आंखे थी; ये परमेश्वर की सातों आत्माएं हैं, जो सारी पृथ्वी पर भेजी गई हैं। (7) उस ने आकर उसके दाहिने हाथ से जो सिंहासन पर बैठा था, वह पुस्तक ले ली, (8) और जब उस ने पुस्तक ले ली, तो वे चारों प्राणी और चौबीसों प्राचीन उस मेम्ने के साम्हने गिर पड़े; और हर एक के हाथ में वीणा और धूप से भरे हुए सोने के कटोरे थे, ये तो पवित्रा लोगों की प्रार्थनाएं हैं। (9) और वे यह नया गीत गाने लगे, कि "तू इस पुस्तक के लेने, और उसकी मुहरें खोलने के योग्य है; क्योंकि तू ने वध होकर अपने लहू से हर एक कुल, और भाषा, और लोग, और जाति में से परमेश्वर के लिये लोगों को मोल लिया है।(10) और उन्हें हमारे परमेश्वर के लिये एक राज्य और याजक बनाया; और वे पृथ्वी पर राज्य करते हैं।" (11) और जब मै ने देखा, तो उस सिंहासन और उन प्राणियों और उन प्राचीनों की चारों ओर बहुत से स्वर्गदूतों का शब्द सुना, जिन की गिनती लाखों और करोड़ों की थी। (12) और वे ऊंचे शब्द से कहते थे, कि वध किया हुआ मेम्ना ही सामर्थ, और धन, और ज्ञान, और शक्ति, और आदर, और महिमा, और धन्यवाद के योग्य है। (13) फिर मैं ने स्वर्ग में, और पृथ्वी पर, और पृथ्वी के नीचे, और समुद्र की सब सृजी हुई वस्तुओं को, और सब कुछ को जो उन में हैं, यह कहते सुना, कि जो सिंहासन पर बैठा है, उसका, और मेम्ने का धन्यवाद, और आदर, और महिमा, और राज्य, युगानुयुग रहे। (14) और चारों प्राणियों ने आमीन कहा, और प्राचीनों ने गिरकर दण्डवत् किया।।

आइए हम वापस मुड़कर उन कुछ बिन्दुओं पर विचार करें जब फसह के पर्व का आरम्भ हुआ था।

निर्गमन 12:1–3 फिर यहोवा ने मिस्र देश में मूसा और हारून से कहा, (2) कि "यह महीना तुम लोगों के लिये आरम्भ का ठहरे; अर्थात् वर्ष का पहिला महीना यही ठहरे।"

- यह बहुत महत्वपूर्ण था ! सब कुछ यहीं से आरम्भ हुआ।

- आपका फसह – जब सबसे पहले आपने परमेश्वर के मेम्ने, यीशु मसीह को ग्रहण किया था – यह आपके भी महीनों का आरम्भ था। पहली बार आप जीवित किए गए। उस समय तक आप मरे हुए थे।

  इफिसियों 2:1– 5 और उस ने तुम्हें भी जिलाया, जो अपने अपराधों और पापों के कारण मरे हुए थे। (4) परन्तु परमेश्वर ने जो दया का धनी है; अपने उस बड़े प्रेम के कारण, जिस से उस ने हम से प्रेम किया, (5) ... तो हमें मसीह के साथ जिलाया; (अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है।)

निर्गमन 12:3 इस्राएल की सारी मण्डली से इस प्रकार कहो, कि इसी महीने के दसवें दिन को तुम अपने अपने पितरों के घरानों के अनुसार, घराने पीछे एक एक मेम्ना ले रखो।

प्रभु - भोज

- तुम अपने अपने पितरों के घरानों के अनुसार, घराने पीछे एक एक मेम्ना ले रखो। इसलिए कि आपके माता-पिता ने "मेमना लिया", आपके उद्धार के लिए काफ़ी नहीं है।

- हर एक के घराने पीछे एक एक मेम्ना - हमारे स्वर्गीय पिता ने अपने घराने के लिए एक मेमना दिया।

निर्गमन 12:13 "और जिन घरों में तुम रहोगे उन पर वह लहू तुम्हारे निमित्त चिन्ह ठहरेगा"

- जब हम परमेश्वर के मेमने, यीशु मसीह पर विश्वास करते और उसे ग्रहण करते हैं, हम मेमने के लहू को भी ग्रहण करते और लगाते हैं।

और मैं उस लहू को देखकर तुम को छोड़ जाऊंगा और जब मैं मिस्र देश के लोगों को मारूंगा, तब वह विपत्ति तुम पर न पड़ेगी और तुम नाश न होगे।

- परमेश्वर लहू खोज रहा है। परमेश्वर उन्हें ढूंढ रहा है जो उद्धार और क्षमा की अपनी ज़रुरत जानते हुए, बलिदानी मेमने को और उसके लहू को जो उनके लिए उण्डेला गया, ग्रहण किया है।

- वह उस द्वार को छोड़ जाएगा (शाब्दिक : ऊपर मंडराना), और नाश करनेवाले को तुम्हारे घरों में मारने के लिये न जाने देगा।"

- क्या आपने परमेश्वर के मेमने "यीशु मसीह" को ग्रहण किया है? और उसके लहू को स्वयं पर लगाया है? क्या वह आप पर मंडराता है?

भजन संहिता 91:1-4 "जो परमप्रधान के छाए हुए स्थान में **बैठा** रहे, वह सर्वशक्तिमान की छाया में **ठिकाना** पाएगा। (2) मै यहोवा के विषय कहूंगा, कि 'वह मेरा शरणस्थान और गढ़ है; वह मेरा परमेश्वर है, मैं उस पर भरोसा रखूंगा।' (3) वह तो मुझे बहेलिये के जाल से, और महामारी से बचाएगा; (4) वह तुझे अपने पंखों की आड़ में ले लेगा, और तू उसके पैरों के नीचे शरण पाएगा; उसकी सच्चाई तेरे लिये झिलम ठहरेगी।"

- इस प्रकार की सुरक्षा पाने के लिए आपको उसके पंखों की आड़ में बैठना, और ठिकाना पाना है।
- आज्ञा का पालन न करना, उसकी शरण में से बाहर चले जाना है।

लूका 22:16 के साथ जारी रखते हुए: मैं तुम से कहता हूं, कि **जब तक वह परमेश्वर के राज्य में पूरा न हो तब तक मैं उसे कभी न खाऊंगा।** (17) तब उस ने कटोरा लेकर धन्यवाद किया, और कहा, इस को लो और आपस में बांट लो। (18) क्योंकि मैं तुम से कहता हूं, कि जब तक परमेश्वर का राज्य न आए तब तक मैं दाख का रस अब से कभी न पीऊंगा।

- प्रभु यीशु अब उत्सुकता से उस दिन की ओर देख रहे हैं जब "राज्य का यह सुसमाचार सारे जगत में प्रचार किया जाएगा, कि सब जातियों पर गवाही हो, तब अन्त आ जाएगा। (मत्ती 24:14)।

- वह हमारी प्रतिक्षा कर रहा है कि हम अपना कार्य, अपना नियुक्त कार्य समाप्त करें तथा फिर उसके साथ भोज में बैठें, और परमेश्वर के राज्य में एक साथ मिलकर वाचा का भोज खाएं।

और उस भोज का नाम होगा : **मेम्ने के विवाह का भोज**

प्रकाशितवाक्य 19:7–9 आओ, हम आनन्दित और मगन हों, और उस की स्तुति करें; क्योंकि मेम्ने का ब्याह आ पहुंचा : और उस की पत्नी ने अपने आप को तैयार कर लिया है। (8) और उस को शुद्ध और चमकदार महीन मलमल पहिनने का अधिकार (जिम्मेवारी) दिया गया, क्योंकि उस महीन मलमल का अर्थ पवित्रा लोगों के धर्म के काम है। (9) और उस ने मुझ से कहा; यह लिख, कि धन्य वे हैं, जो मेम्ने के ब्याह के भोज में बुलाए गए हैं; फिर उस ने मुझ से कहा, ये वचन परमेश्वर के सत्य वचन हैं।

लूका 22:19 फिर उस ने रोटी ली, और धन्यवाद करके तोड़ी, और उन को यह कहते हुए दी, कि यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिये दी जाती है: मेरे स्मरण के लिये यही किया करो।

- यीशु ने रोटी तोड़ी – उसने अपनी देह को तोड़े जाने के लिए दिया (फिलिप्पियों 2:6–8)।

- जब हम रोटी को तोड़ते या उसमें से एक टुकड़ा लेते हैं तब हम इस बात को मानते तथा इसकी घोषणा करते हैं कि "मेरे पापों ने उसकी देह को तोड़ा"।

- यीशु ने रोटी के लिए कहा : यह मेरी देह है : बहुत से लोगों ने उसकी देह को छुआ और चंगे हो गए। जिस रोटी को हम लेते हैं वह हमारी देह के प्रत्येक सैल को छूकर उसमें शक्ति और जीवन प्रदान कर देगी।

  यूहन्ना 6:35 यीशु ने उन से कहा, जीवन की रोटी मैं हूं: जो मेरे पास आएगा वह कभी भूखा न होगा और जो मुझ पर विश्वास करेगा, वह कभी प्यासा न होगा।

  - यह वाचा की प्रतिज्ञा है।

  यूहन्ना 6:51 जीवन की रोटी जो स्वर्ग से उतरी, मैं हूं। यदि कोई इस रोटी में से खाए, तो सर्वदा जीवित रहेगा और जो रोटी मैं जगत के जीवन के लिये दूंगा, वह मेरा मांस है।

लूका 22:20 इसी रीति से उस ने भोजन के बाद कटोरा भी यह कहते हुए दिया "यह कटोरा मेरे उस लोहू में जो तुम्हारे लिये बहाया जाता है नई वाचा है।"

विश्वासीयों के लिए, यीशु मसीह ने पुराने नियम के फसह पर्व के भोज को नए नियम के सहभागिता भोज में बदल दिया।

(लातीनी भाषा – कौमन यूनियन (सार्व–एकता): परस्पर सहयोग, परस्पर भागीदारी।)

- पुराने को नई वाचा में बदल दिया।

  (2 कुरि 5:17 ... पुरानी बातें बीत गईं है, देखो, सब बातें नई हो गई हैं।)

(19) मेरे स्मरण के लिए यही किया करो: वाचा का भोज, यीशु मसीह के छुटकारे के कार्य तथा उस लहू की वाचा को जो हमने उसके साथ बान्धी है स्मरण करना है।

- पुराना फसह का पर्व – मिस्र के दासत्व से छुटकारा।
- नई वाचा का भोज – **पाप और मृत्यु के दासत्व** से छुटकारा।

सहभागिता का भोज ही वाचा का भोज है :

यह दूसरा कारण है कि क्यों यीशु को दुखःभोग से पूर्व अपने शिष्यों के साथ फसह खाने की बड़ी लालसा थी। तथा क्यों वह हमारे साथ परमेश्वर के राज्य में खाने की लालसा रखता है।

बाइबल और संसार के इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण हैं, कि जब दलों में सहमति हो जाती है तो वे मिलकर भोजन में हिस्सा लेते हैं।

वाचा का भोज एक दूसरे के प्रति जिम्मेवारियों के साथ उनके मेल मिलाप के सम्बन्ध पर मुहर लगाता है

- उत्पत्ति 31:54 में याकूब और लाबान हमें वाचा के भोज का एक उदाहरण प्रस्तुत करते हैं जिसके कारण दो विरोधी दलों में मेल हो जाता है।

  - इसलिए मध्य पूर्व के लोग "रोटी तोड़ने" की वाचा को बेहतर समझते हैं।

  मैं यरुशलेम के पुराने शहर की दुकान में जिसका मालिक एक मुसलमान था, मिलने के लिए गया। मैंने उसे बताया कि उनकी रोटी मुझे कितनी पसन्द है। उसने अपने बेटे को भेज कर रोटी मंगवा ली और मुझे दे दी। मैं उसका बहुत शुक्रगुज़ार हुआ और उसे भी उसमें से रोटी लेने को कहा परन्तु उसने दृढ़तापूर्वक मना कर दिया। बाद में मुझे पता चला कि जिसे वे काफिर समझते हैं उसके साथ वे कभी भी रोटी तोड़कर मेल की वाचा स्थापित नहीं कर सकते।

डैरेक प्रिंस एक सत्य घटना के विषय में बताते हैं जो 1948 में घटी जब इस्राएल राष्ट्र अस्तित्व आया था। और उस समय इस्राएल के आस-पास मुसलमानों तथा यहुदियों के बीच लड़ाई छिड़ गई।

(इस सत्य घटना को हम "ओ यरुशलेम" नामक किताब के अध्याय 29 में देख सकते हैं।)

प्रभु – भोज

एक यहुदी पुनर्वास इलाके पर जोर्डन की सेना ने आक्रमण किया तथा उसे पूर्ण रीति से नष्ट कर दिया। केवल कुछ यहुदियों को बन्दी बनाया गया। उन में से एक जवान यहुदी स्त्री "एलीसा" थी। मुस्लीम सैनिकों ने उसके साथ बलत्कार करने का प्रयास किया। जैसे ही वे उसके कपड़ों को फाड़ने के लिए बढ़े कुछ अजीब सी बात हुई। एक अरब अफसर आया और उसने दो सैनिकों को गोली से मार गिराया, फिर उसने अपनी जेब से रोटी का एक टुकड़ा निकाला और इस यहुदी स्त्री को दिया और कहा, "इसे खाओ।" जब उसने रोटी खा ली, उसने कहा, "अब तुम मेरी सुरक्षा में हो। कोई तुम्हें हानि नहीं पहुंचाएगा।"

ऐसा क्यों? उसने उसकी रोटी खाई जिसके द्वारा उसके साथ उसने स्पष्ट सम्बन्ध की वाचा को स्थापित की। युद्ध और वासना की तीव्रता में भी उन मुसलमान सैनिकों ने उस वाचा के सम्बन्ध का आदर किया और उस जवान यहुदी स्त्री का भी।

एक बार जब उस अफसर और स्त्री के बीच में **रोटी तोड़ी गई,** वे सब उस पवित्र वाचा के चिन्ह के द्वारा बाध्य हो गए कि:

- वे जानते थे कि इसका क्या अर्थ है
- उसको कोई हानि या नुकसान न पहुंचाए
- परन्तु रोटी तोड़ने के द्वारा स्थापित उस नए सम्बन्ध का आदर करें और उसकी रक्षा करें
- हमें एक दूसरे और उस मेमने, यीशु मसीह को समझना और उनके प्रति निष्ठावान होना चाहिए।

वाचा के भोज का हमारे एक दूसरे के साथ परस्पर सम्बन्धों में क्या अर्थ है ?

- एकता या एक हो जाना – जैसा कि तुम चाहते हो कि मनुष्य तुम्हारे साथ करें, तुम भी उनके साथ वैसा ही करो। (मत्ती 7:12)
- वचनबद्धता – एक दूसरे की सफलता और समृद्धि के लिए
- निष्ठा – परिस्थितियों या भावनाओं, विवादों अथवा हानियों के बावजूद
- सुरक्षा, या रक्षा करना – किसी भी प्रकार के आक्रमण से
- एक दूसरे को कोई हानि न पहुंचाना, चाहे शारीरिक हो या मौखिक
- एक दूसरे के लिए देना

यह सब लहू की वाचा//भोज की वाचा के द्वारा पुष्टी और स्मरण किए जाने//रोटी तोड़ने और कटोरे मे से पीने//सहभागिता के द्वारा हुआ।

रोमियो 5:10 क्योंकि बैरी होने की दशा में तो उसके पुत्रा की मृत्यु के द्वारा हमारा मेल परमेश्वर के साथ हुआ।

- अलग करने वाला विषय (पाप) क्षमा हुआ और दूर किया गया तथा हमें यीशु मसीह के साथ, उसके **लहू** के कारण, एक हो जाने के सम्बन्ध में लाया गया।

आगे इस पद में : फिर मेल हो जाने पर उसके जीवन के कारण हम उद्धार क्यों न पाएंगे ? वाचा के कारण

परमेश्वर से मेल हो जाने पर हम सहभागिता में सम्मिलित होते हैं। **वाचा का भोज** हमारे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर के साथ तथा एक दूसरे के साथ अदभुत सम्बन्ध में **शामिल हो जाने** का आनन्द मनाना है।

- उसके साथ वाचा में एक हो जाना – उसके किसी एक को मारना, उसको मारना है!
  जिस प्रकार शाऊल को कहा गया: प्रेरितों के काम 9:4 और वह भूमि पर गिर पड़ा, और यह शब्द सुना, कि हे शाऊल, हे शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है ?

- वाचा में आप उसकी रक्षा करते हैं और वह आपकी रक्षा करता है।

- उत्तराधिकारी – जो कुछ उसका है यदि अवश्यकता है तो वह आपका है

यह सब लहू की वाचा//भोज की वाचा के द्वारा पुष्टी और स्मरण किए जाने//रोटी तोड़ने और कटोरे मे से पीने//सहभागिता के द्वारा हुआ।
परमेश्वर से मेल हो जाने पर हम सहभागिता में सम्मिलित होते हैं। वाचा का भोज हमारे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर के साथ तथा एक दूसरे के साथ अदभुत सम्बन्ध में शामिल हो जाने का आनन्द मनाना है।

रोटी में भाग लेने से पहले (जो उसकी देह को दर्शाता है) और दाख का रस (जो उसके लहू को दर्शा ता है) ... उसके अर्थ पर मनन करें ... आपके प्रति उसके सर्मपण पर ... उसके लिए आपकी निष्ठा की वचनबद्धता पर ... हम विचार करें

यदि हम परमेश्वर या एक दूसरे (अपनी पत्नी) के साथ मेल या एकता में नहीं हैं, तो **हमने वाचा का उल्लंघन किया है।**

- हम समस्याओं को अपने जीवन में आने की अनुमति दे रहे हैं (शत्रु को आने की अनुमति)
- और शायद गंभीर परिणामों के साथ।
  पौलुस इन बातों को संसारिक कुरिन्थियों की कलीसिया को लिखे गए लेखों में ले कर आता है:

1 कुरिन्थियों 3:1–4 हे भाइयों, मैं तुम से इस रीति से बातें न कर सका, जैसे आत्मिक लोगों से; परन्तु जैसे शारीरिक लोगों से, और उन से जो मसीह में बालक हैं। (2) में ने तुम्हें दूध पिलाया, अन्न न खिलाया; क्योंकि तुम उस को न खा सकते थे; वरन अब तक भी नहीं खा सकते हो। (3) क्योंकि अब तक शारीरिक हो, इसलिये, कि जब तुम में डाह और झगड़ा है, तो क्या तुम शारीरिक नहीं? और क्या मनुष्य की रीति पर नहीं चलते? वे एक दूसरे से झगड़ रहे थे। वे एक नहीं थे।

प्रभु – भोज

1 कुरिन्थियों 10 में पौलुस, फसह की लहू वाचा के बाद के इस्राएलीयों के अनुभव (जिसे उन्होंने सम्मान नहीं दिया) की तुलना हमारी नई वाचा से करता है ।(हमें उसके परिणामों के बारे में चेताते हुए ।)

1 कुरिन्थियों 10 हे भाइयों, मैं नहीं चाहता, कि तुम इस बात से अज्ञात रहो, कि हमारे सब बापदादे बादल के नीचे थे, और सब के सब समुद्र के बीच से पार हो गए। (2) और सब ने बादल में, और समुद्र में, मूसा का बपतिस्मा लिया । (3) और सब ने एक ही आत्मिक भोजन किया । (4) और सब ने एक ही आत्मिक जल पीया, क्योंकि वे उस आत्मिक चट्टान से पीते थे, जो उन के साथ–साथ चलती थी; और वह चट्टान मसीह था। (5) परन्तु परमेश्वर उन में से बहुतों से प्रसन्न न हुआ, इसलिये वे जंगल में ढेर हो गए।

(6) ये बातें हमारे लिये दृष्टान्त ठहरी, कि जैसे उन्हों ने लालच किया, वैसे हम बुरी वस्तुओं की लालच न करें। (गिनती 11: मन्ना के विषय में शिकायत तथा मिस्र के उस भोजन को याद करते हुए)

(7) और न तुम मूर्तिपूजक बनों; जैसे कि उन में से कितने बन गए थे, जैसा लिखा है, कि लोग खाने–पीने बैठे, और खेलने–कूदने उठे। (निर्गमन 32:4,6)

(8) और न हम व्यभिचार करें; जैसा उन में से कितनों ने किया: और एक दिन में तेईस हजार मर गये। (हमारे लिए उदाहरण : परमेश्वर इस बात से प्रसन्न नहीं था)

(9) और न हम प्रभु को परखें; जैसा उन में से कितनों ने किया, और सांपों के द्वारा नष्ट किए गए। (गिनती 21) (हमारे लिए उदाहरण : परमेश्वर इस बात से प्रसन्न नहीं था)

(10) और न तुम कुड़कुड़ाओ, जिस रीति से उन में से कितने कुड़कुड़ाए, और नाश करनेवाले के द्वारा नाश किए गए। (गिनती 16:41; 17:5,10)

हमारे लिए उदाहरण : परमेश्वर इस बात से प्रसन्न नहीं था

- यह पाप "मृत्यु के लिए" थे, शारीरिक मृत्यु , अनन्तकाल की मृत्यु नहीं क्योंकि वे मेमने के लहू की वाचा में थे।

- उनसे घृणा नहीं की गई, केवल परमेश्वर "प्रसन्न नहीं हुआ"।

(11) परन्तु ये सब बातें, जो उन पर पड़ी, दृष्टान्त की रीति पर थी: और वे हमारी चेतावनी के लिये जो जगत के अन्तिम समय में रहते हैं लिखी गईं हैं। (16) वह धन्यवाद का कटोरा, जिस पर हम धन्यवाद करते हैं, क्या मसीह के लोहू की सहभागिता नहीं? वह रोटी जिसे हम तोड़ते हैं, क्या मसीह की देह की सहभागिता नहीं? (17) इसलिये, कि एक ही रोटी है सो हम भी जो बहुत हैं, एक देह हैं: क्योंकि हम सब उसी एक रोटी में भागी होते हैं।(18) जो शरीर के भाव से इस्राएली हैं, उन को देखो: क्या बलिदानों के खानेवाले वेदी के सहभागी नहीं?

- इस रोटी को खाने के द्वारा हम यीशु मसीह की / वेदी / बलिदान/ मृत्यु और पुनरुत्थान में सहभागी होते हैं।

पौलुस इस विषय को अगले अध्याय में जारी रखता है।

1 कुरिन्थियों 11:23–30

क्योंकि यह बात मुझे प्रभु से पहुंची, और मैं ने तुम्हें भी पहुंचा दी; कि प्रभु यीशु ने जिस रात पकड़वाया गया रोटी ली। (24) और धन्यवाद करके उसे तोड़ी, और कहा; कि यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिये हैः मेरे स्मरण के लिये यही किया करो। (25) इसी रीति से उस ने बियारी के पीछे कटोरा भी लिया, और कहा; यह कटोरा मेरे लहू में नई वाचा हैः जब कभी पीओ, तो मेरे स्मरण के लिये यही किया करो। (26) क्योंकि जब कभी तुम यह रोटी खाते, और इस कटोरे में से पीते हो, तो प्रभु की मृत्यु को जब तक वह न आए, प्रचार करते हो।

आगे पौलुस वाचा की गंभीरता और उसके परिणामों को लाता है :

(27) इसलिये जो कोई अनुचित रीति से प्रभु की रोटी खाए, या उसके कटोरे में से पीए, वह प्रभु की देह (हम उसकी देह हैं) और लहू (वाचा) का अपराधी ठहरेगा। (28) इसलिये मनुष्य अपने आप को जांच ले और इसी रीति से इस रोटी में से खाए, और इस कटोरे में से पीए। (29) क्योंकि जो खाते–पीते समय प्रभु की देह को न पहिचाने (बिना एक हुए और एकता के), वह इस खाने और पीने से अपने ऊपर दण्ड लाता है। (30) इसी कारण तुम में से बहुत से निर्बल और रोगी हैं, और बहुत से मर भी गए।

- कुछ अनुवादों में "बहुत से सो भी गए" आता है जिसका अर्थ है कि बहुत से असमय मर गए। यह इस बात का गंभीर चित्रण है कि यह वाचा का भोज क्या है।

  (सोने का अर्थ मृत्यु के लिए देखें : यूहन्ना 11:11–14; 1 कुरिन्थियों 15:51)

- निर्बलता, रोगों और मृत्यु के अनेकों कारण होते हैं परन्तु यह महत्वपूर्ण है, और इससे बचा जा सकता है।

कई तरह से उन मुस्लीम सैनिकों की समझ बहुत से मसीहीयों से अधिक स्पष्ट थी कि "रोटी तोड़ने" का क्या अर्थ है।

- यह उस वाचा की **यादगारी** है जिसे यीशु ने आरम्भ की
- यह न केवल उसके प्रति हमारी वाचा बाध्यता का **स्मारक** है अपितु एक दूसरे के साथ का भी
- और पौलुस हमें स्मरण दिलाता है कि हमें देह को सही रीति से पहचाना चाहिए। इसका अर्थ है कि हमारे भाई और बहनें एक ही देह के अंग हैं, हम एक हैं – एक इकाई। हम एक साथ वाचा में हैं।

- इसका अर्थ यह है कि जिस क्षण हम इस सम्बन्ध में प्रवेश करते हैं और वाचा के भोज में भाग लेकर इसे ताज़ा करते हैं, **हम एक दूसरे के प्रति निष्ठावान** होने के लिए वचनबद्ध हो जाते हैं।
- उन सैनिकों के समान, जिन्हें व्यक्तिगत भावनाओं के बावजूद उस यहुदी स्त्री का सम्मान करना पड़ा क्योंकि उनके अफसर ने उसके साथ रोटी तोड़ी थी। इसलिए अपने व्यक्तिगत रवैये या भावनाओं को नज़रअन्दाज़ करते हुए, जब हम रोटी तोड़ते हैं – हम एक दूसरे के साथ निष्ठावान होने के लिए बाध्य हो जाते हैं। विवाह की वाचा में भी।

भजन संहिता 41:9 मेरा परम मित्रा जिस पर मैं भरोसा रखता था (मेल में था), जो मेरी रोटी खाता था(मेल की वाचा), उस ने भी मेरे विरूद्ध लात उठाई है।

बहुत से एशियाई संस्कृतियों में, किसी को अपने पैर की तरफ संकेत करने का अर्थ है उसका तिरस्कार कर देना मानों उस पर पैर रख कर चले जाना।

- हमें ऐसा नहीं करना कि एक दूसरे के साथ रोटी खाएं और फिर अपनी लात दूसरों की ओर उठाएं, आलोचना कर के/ झूठी निन्दा करने/ नीचे गिरा देने/ झूठ बोलने/ गप्पों या किसी अन्य अप्रिय बातों के द्वारा।
- वाचा के भोज लेने के लिए पौलुस हमें केवल दो विकल्प बताता है।
  1) यदि हम इसे सही सम्बन्ध में लेते हैं तो यह हमारे लिए अच्छा स्वास्थ्य तथा आशिषे लाता है। देखें भजन संहिता 133।।
  2) परन्तु यदि **हमारा सम्बन्ध सही नहीं** है तो यह बहुत सी कठिनाईयों, शायद बिमारी, तथा कुछ चरम मामलों में मृत्यु को भी लाता है।

यह बहुत गंभीर विचार है। परन्तु फिर भी, वाचा का सम्बन्ध बहुत ही महत्वपूर्ण और गंभीर मामला है।

परमेश्वर हमारी सहायता करें कि हम वाचा के सम्बन्ध को हल्की रीति से न लें :

- परमेश्वर के साथ अपनी वाचा
- एक दूसरे के साथ अपनी वाचा
- अपने विवाह की वाचा

(31) यदि हम अपने आप में जांचें, तो परमेश्वर के द्वारा जांचे न जाएंगे तथा दण्ड न पाएंगे।

- 1 यूहन्ना 1:9 यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने, और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है।

(32) परन्तु प्रभु हमें दण्ड देकर हमारी ताड़ना करता है इसलिये कि हम संसार के साथ दोषी न ठहरें।

- इसका अर्थ है कि हम अनन्त काल के उस उद्धार को **नहीं खोएंगे** जिसे परमेश्वर ने हमें मुफ़्त ही दे दिया है। हम वाचा की अपनी तरफ को ठेस पहुंचा सकते हैं परन्तु वह विश्वासयोग्य है।

अनुशासन, हां ।   अस्वीकृति, नहीं।

परन्तु जब हम परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं करते तथा देह का निरादर करते हैं तब गंभीर परिणाम होते हैं।

इस पर विचार करें :

- इसलिये यदि तू अपनी भेंट वेदी पर लाए, और वहां तू स्मरण करे, कि मेरे भाई के मन में मेरी ओर से कुछ विरोध है, तो अपनी भेंट वहीं वेदी के साम्हने छोड़ दे। और जाकर पहिले अपने भाई से मेल मिलाप कर; तब आकर अपनी भेंट चढ़ा। मत्ती 5:23 –25
- याकूब 5:9   हे भाइयों, एक दूसरे पर दोष न लगाओ ताकि तुम दोषी न ठहरो, देखो, हाकिम द्वार पर खड़ा है।
- याकूब 4:11   हे भाइयों, एक दूसरे की बदनामी न करो, या भाई पर दोष ... । (12) व्यवस्था देनेवाला और हाकिम तो एक ही है, ... तू कौन है, जो अपने पड़ोसी पर दोष लगाता है?
- 1 पतरस 5:8–9   तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जनेवाले सिंह की नाई इस खोज में रहता है, कि किस को फाड़ खाए। (यह विश्वासियों को लिखा गया है)
- इफिसियों 4:26–27   क्रोध तो करो, पर पाप मत करोः सूर्य अस्त होने तक तुम्हारा क्रोध न रहे। और न शैतान को अवसर दो।
- मत्ती 18:34–35   और उसके स्वामी ने क्रोध में आकर उसे दण्ड देनेवालों के हाथ में सौंप दिया, कि जब तक वह सब कर्जा भर न दे, तब तक उन के हाथ में रहे। इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है, तुम से भी वैसा ही करेगा।।

हम अपने आप को जांचें – अपने विवेक को अनुमति दें, पवित्र आत्मा को अनुमति दें कि आप के मन में उनको लाए जिन्हें हमें क्षमा करनें की ज़रुरत है, या जिन्हें हमने ठेस पहुंचाई है।

- यदि वह ऐसे किसी को मन में ले कर आए जिसके लिए आपके मन में क्रोध हो या नाराज़गी हो – उसी समय उसे क्षमा कर देने का निर्णय लें, बिना ध्यान दिए कि हमें कितनी भी चोट पहुंची है और बिना अपने व्यक्तिगत **रवैये,** या **व्यवहार** या **भावनाओं** को ध्यान दिए।

- परमेश्वर से प्रार्थना करें और कहें कि आप ने उन्हें क्षमा कर दिया है, और पवित्र आत्मा से मांगें कि इसे आपके हृदय और दिमाग में सच कर दे।

- यदि कोई भी आप के मन में नहीं आता – शान्ति से रहें

परमेश्वर ने हमारे साथ वाचा बान्धी है, मेल की सहमति, एक वाचा जो उसकी अच्छाईयों पर आधारित है न कि हमारी योग्यता पर।

मसीह में एक हो जाने को प्रदर्शित करते हुए जब हम रोटी में से खाते हैं तथा परमेश्वर की क्षमा कर देने वाले अनुग्रह को प्रदर्शित करने वाले प्याले में से पीते हैं, तब हम सब आनन्द के साथ परमेश्वर की स्तुति करें क्योंकि उसने मसीह में हमारे साथ अपना मेल